वार्षिक पाठ्यक्रम योजना
सत्र 2020-21
विषय – संस्कृत
कक्षा – छठी
प्रथम पक्षीय परीक्षा – अप्रैल से सितंबर

दूरदर्शिताः छात्राओं में संस्कृत भाषा के प्रति रूचि जागृत होगी तथा छात्राओं में संस्कृत वाचन व लेखन शक्ति का विकास होगा।

पाठ का नाम	अभिनव शिक्षा शास्त्र व संक्रमण रणनीतियाँ	अध्ययन के परिणाम
1. पाठ – 1 शब्द परिचयः I	छात्राओं में संस्कृत विषय के प्रति रूचि उत्पन्न करना। संस्कृत भाषा का शुद्ध उच्चारण और लेखन क्षमता का विकास करना। चित्र के माध्यम से शब्दों का वाचन करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना। शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी सांझा करना। वाचन व अनुवाचन के अनन्तर विभिन्न शब्दों को उदाहरण के माध्यम से स्पष्ट करना। वाचन कौशल का विकास करना।	इस पाठ के द्वारा छात्राएँ पुल्लिंग शब्दों का ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होगी। छात्राएँ संस्कृति भाषा में वचनों के प्रकार से परिचित होगी। छात्राएँ जानने में समर्थ होगी कि वचनों के अनुसार शब्दों का विभाजन होगा। किन्ही पांच पक्षियों के नाम अकरांत पुलिंग में लिखने को देकर विषय स्पष्ट किया जाएगा।
2. पाठ – 2 शब्द परिचयः II	छात्राओं में श्रवण, पठन व वाचन कौशल का विकास करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना।स्त्रीलिंग के तीनों वचनों के रूपों का बोध करवाना। शब्दों को आरोह–अवरोह पूर्वक वाचन करना। गति० छात्राओं को उनके नाम व वर्ण विभाजन करने को कहकर पाठ में रूचि उत्पन्न करना। शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी सांझा करना।	इस पाठ के द्वारा छात्राएँ आकारांत स्त्रीलिंग शब्दों का ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होगी। वर्ण विभाजन व वर्ण संयोजन में भेद समझने में समर्थ होगी। सर्वनाम शब्दों द्वारा वचनों को समझना सरल होगा।पुलिंग और स्त्रीलिंग शब्दों को अलग -अलग करने की गतिविधि करवा कर छात्राओं को विषय स्पष्ट किया जाएगा।
3.पाठ-8 सूक्तिस्तबकः	श्लोकों का सस्वर वाचन करना। पाठ के नाम का स्पष्टीकरण करते हुए उन्हें जीवन मूल्यों को समझाना	प्रस्तुत पाठ के द्वारा छात्राएँ श्लोकों के माध्यम से मूल्य परक विचारों का प्रतिपादन सीखेगी।

	श्लोकों का आरोह – अवरोह पूर्वक वाचन करना। ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से छात्राओं को पाठ पढ़ाना। वाचन के बाद कठिन व नवीन पदों का अर्थ स्पष्ट करते हुए पुनः श्लोकों का उच्चारण करना। संस्कृत साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करना। शिक्षण को प्रभावशाली तथा सुगम बनाने हेतु छात्राओं को पीपीटी भेजना।	छात्रा परिश्रम का महत्व, मीठी वाणी, बोलने, निरंतर कार्य करने तथा पुस्तकों में पढ़े जान को जीवन में अपनाने संबंधित बातों को समझेगी। इस प्रकार पाठ के द्वारा सभी छात्राएँ संदरवचनों के संग्रह संबंधी श्लोकों से ज्ञान प्राप्त करेगी।
4.पाठ – 7 संख्या पदानि	संस्कृत भाषा में छात्राओं को 1 से 20 तक की गिनती लिखने का ज्ञान करवाना। विषय से संबंधित वीडियो दिखाकर छात्राओं को पाठ स्पष्ट करना। 1 से 4 तक की गिनती में लिंग व चित्र के साथ विषय स्पष्ट करना। अभ्यास कार्य देकर विद्यार्थियों में विचार व कल्पना शक्ति को बढाना।	प्रस्तुत पाठ के द्वारा छात्राएं संस्कृत में गिनती लिखने में सक्षम होंगी।अभ्यास कार्य देखकर उनकी कल्पना शक्ति को विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। वचन के अनुसार शब्दों का विभाजन होगा।
5. व्याकरण शब्द रूप– बालक , लता प्रथमा से चतुर्थी	अकारांत पुल्लिंग नपुंसकलिंग तथा आकारांत स्त्रीलिंग के शब्द रूपों का ज्ञान करवाना विषय को स्पष्ट करने हेतु अन्य उदाहरण देकर छात्राओं को शब्द रूप अभ्यास करवाना। प्रत्यय तालिका बनाकर शब्द रूपों को सरल रूप में स्पष्ट करवाना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना।	छात्राओं ने तीनों शब्द रूपों के प्रत्ययों द्वारा प्रथमा से चतुर्थी तक इसका ज्ञान प्राप्त करेगी। तीनों वचनों का कर्ता के साथ प्रयोग उदाहरण द्वारा छात्राएँ समझने में समर्थ होंगी।
6.धातु रूपाणि पठ, गम् (लट् लकार)	वर्तमान काल की धातुओं के अंत में जुड़ने वाले तिङन्त प्रत्ययों से अवगत कराना। धातु का कर्ता के साथ अर्थ स्पष्ट करना। शिक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्क्रीन को सांझा करना।	धातु रूप के अंतर्गत छात्रों ने पठ् व धातु का तीनों पुरूषों का वचनों के साथ ज्ञान प्राप्त करेगी। विषय के अलावा अन्य उदाहरण देकर भी छात्राओं को धातु रूप का अभ्यास करवाया जाएगा।
7. विशेषण–विशेष्य	विशेषण–विशेष्य का अर्थ स्पष्टीकरण। भाषा शिक्षण के स्वाभाविक क्रम का ज्ञान करवाना। संज्ञा के अनुसार सर्वनाम, विशेषण के लिंग, वचन रूप का निर्माण समझाना।	छात्राएँ विशेषण और विशेष्य के ज्ञान से अवगत होगी। विभिन्न उदाहरणों द्वारा छात्राओं में विशेषण व विशेष्य का अभ्यास करवाए जाने पर विषय

		स्पष्टीकरण सरल होगा।
8. अपठित गद्यांशः	गद्यांश का हिंदी भाषा में स्पष्टीकरण करना। छात्राओं को गद्यांश संबंधी नियमों से अवगत कराना।	अपठित गद्यांश का स्पष्टीकरण के पश्चात छात्रा उनके पदपदेन, पूर्णवाक्येन अदि प्रश्नों को हल करने का प्रयास कर पाएँगी।
द्वितीय पक्षीय परीक्षा अक्टूबर से मार्च		
पाठ का नाम	**अभिनव शिक्षा शास्त्र व संक्रमण रणनीतियाँ।**	**अध्ययन के परिणाम**
9.पाठ - 7 बकस्य प्रतीकारः	अव्ययों का प्रयोग अर्थ सहित स्पष्ट करना। संस्कृत भाषा के प्रति रूचि उत्पन्न करना। संस्कृत कथा के द्वारा छात्राओं को आवश्यक संदेश देना।	प्रस्तुत पाठ द्वारा छात्राएँ अव्यय शब्दों का ज्ञान, प्रयोग व उपयोगिता का बोध करेगी। लृट् लकार व लङ्० लकार में अंतर समझ पाएँगी। पाठ द्वारा संदेश ग्रहण करेगी कि हमेशा वैसा ही व्यवहार करना चाहिए जैसा कि हम दूसरों से उपेक्षा करते हैं।
10.पाठ - 9 क्रीडास्पर्धा	सर्वनाम प्रयोग का ज्ञान करवाना। सर्वनाम के तीनों वचनों का स्पष्टीकरण करना। पाठ द्वारा अस्मद् व युष्मद् सर्वनाम के प्रथमा, द्वितीया व षष्ठी विभक्ति के रूपों का परिचय करवाना। संवाद विधि का प्रयोग करते हुए कक्षा में पाठ पढ़वाना तथा विविध खेलों के संस्कृत नामों से छात्राओं को परिचित करवाना। श्रवण, पाठन, वाचन व लेखन कौशल का विकास करना।	छात्रा पाठ द्वारा खेल प्रतियोगिताओं, सर्वनाम, आदि का ज्ञान प्राप्त करेगी। पाठ द्वारा छात्राएँ यह भी जानेंगी कि विशेष व्यवस्था होने पर अन्यथा समर्थ बालक भी खेलों को खेल सकते हैं। छात्राएँ संवाद विधि द्वारा पाठ पढ़ाए जाने के बाद संवाद का अर्थ श्री समझेगी तथा पाठ को पढ़ने में अपनी रूचि उत्पन्न होगी।
11.पाठ - 11 पुष्पोत्सवः	सप्तमी विभक्ति का प्रयोग बताना। प्रत्येक गद्यांश का अर्थ स्पष्ट करना। कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करना शुद्ध उच्चारण के साथ पाठ का सस्वर वाचन करवाना। फूलों से बनने वाले पंखों के बारे में छात्राओं को बताना। गतिविधि हेतु छात्राओं को विभिन्न प्रकार के फूलों के चित्र बनाकर उनके नाम लिखने को दिया जाएगा।	छात्राएं भाषा के शुद्ध रूप को समझने, लिखने, बोलने व पढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। छात्राएं सप्तमी विभक्ति का प्रयोग करना सीख पाएंगी। छात्राओं में साहित्य के पाठ के द्वारा व्याकरण विभक्ति समझने में भी मदद मिलेगी।

12. अहह आः च	शुद्ध एवं पूर्ण उतार चढ़ाव के साथ-विराम आदि चिन्हों को ध्यान में रखते हुए पाठ का वाचन कराना। पाठ से संबंधित प्रश्न पूछ कर छात्राओं की सहभागिता सुनिश्चित करना। पाठ के द्वारा छात्राओं में परिश्रम और लगन का महत्व स्पष्ट करना। छात्रों की संस्कृत भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।	छात्राएं विलोम शब्द ,अव्यय शब्द,लकार परिवर्तन आदि का ज्ञान प्राप्त करेंगी।।तथा जान पाएंगे कि परिश्रम और लगन से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। छात्राओं के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
13.व्याकरण शब्द रूप– बालक, लता पंचमी से संबोधन	अकारांत पुल्लिंग नपुंसकलिंग तथा आकारांत स्त्रीलिंग के शब्द रूपों का ज्ञान करवाना विषय को स्पष्ट करने हेतु अन्य उदाहरण देकर छात्राओं को शब्द रूप अभ्यास करवाना। प्रत्यय तालिका बनाकर शब्द रूपों को सरल रूप में स्पष्ट करवाना।	छात्राएँ तीनों शब्द रूपों के प्रत्ययों द्वारा पंचमी से संबोधन तक इसका ज्ञान प्राप्त करेगी। तीनों वचनों का कर्ता के साथ प्रयोग उदाहरण द्वारा छात्राएँ समझने में समर्थ होंगी।
14.धातु रूपाणि पठ, गम् (लृट् लकार)	भविष्य काल की धातुओं के अंत में जुड़ने वाले प्रत्ययों से अवगत कराना। धातु का कर्ता के साथ अर्थ स्पष्ट करना।	धातु रूप के अंतर्गत छात्रों ने पठ् व धातु का तीनों पुरूषों का वचनों के साथ ज्ञान प्राप्त करेगी। विषय के अलावा अन्य उदाहरण देकर भी छात्राओं को धातु रूप का अभ्यास करवाया जाएगा।